दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 2023 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं की सूची.

राष्ट्रीय व्यक्तिगत उत्कृष्टता पुरस्कार - 2023

No.	Sarvshresth Divyangjan (सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन)		
1		श्री सत्यप्रकाश मातासरण तिवारी	**श्री सत्यप्रकाश मातासरन तिवारी** को 100% लोकोमोटर दिव्यांगता है। उन्होंने राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलों (पैरा स्पोर्ट्स) में भाग लिया है और अन्य कई पदक और पुरस्कारों के अलावा 16 अंतर्राष्ट्रीय पदक जीते हैं। उन्हें वर्ष 1999-2000 के लिए प्रतिष्ठित ध्यानचंद खेल पुरस्कार-2020 और प्रतिष्ठित शिव छत्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
2		श्री तहा इदरीस हाज़ीक	श्री तहा इदरीस हाज़ीक, 100% दृष्टिहीन व्यक्ति हैं। दिव्यांगता सशक्तिकरण और वकालत के क्षेत्र में उनके प्रभावशाली योगदान के कारण, वे गोवा में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए राज्य आयुक्त के सचिव प्रतिष्ठित पद पर है। दिव्यांगता सशक्तिकरण के एक अधिवक्ता, नेता और प्रवर्तक के रूप में उनकी यात्रा एक अधिक समावेशी समाज बनाने में उनके अटूट समर्पण को रेखांकित करती है । गोवा में पहले पर्पल फेस्ट के आयोजन में उनकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका थी।
3		श्री वैभव तानाजी सांगले	श्री वैभव तानाजी सांगले, उम्र 33 वर्ष, दोनों कान फटने के कारण 70% श्रवण दिव्यांगता से पीड़ित हैं। उन्होंने ललित कला स्नातक की उपाधि प्राप्त की है और विभिन्न प्रकार के चित्रांकन जैसे कि प्रकृति परिदृश्य चित्रकारी, पेंटिंग, पोर्ट्रेट पेंटिंग, वर्ली पेंटिंग, जर्मन रंगीन पेंसिल भारतीय मॉडल चित्र, प्ररेक उद्धरण पेंटिंग, एक्रेलिक और कैनवास फूल पेंटिंग और दीवार पेंटिंग का अभ्यास करते हैं उन्होंने वाणी और श्रवण बाधित बच्चों को नि:शुल्क ड्राइंग, शिल्प और संस्कृति शिक्षण भी प्रदान किया ।

4		श्रीमती सुनीता गुप्ता	**श्रीमती सुनीता गुप्ता** 70% **लोकोमोटर** दिव्यांगता हैं, ग्रामीण क्षेत्र से होने के बाबजूद उन्होंने सरकार से 50,000 रुपये का ऋण लेकर आर्टिफिशियल ज्वैलरी का व्यवसाय शुरू किया। उन्हें NDFDC द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। वे रेन वाटॅर हार्वेस्टिंग मिशन मिशन और स्वीप टीम मतदाता जागरूकता से भी जुडी रही हैं। उन्होंने विक्की डोनर फिल्म में भी काम किया है।
5		श्रीमती स्वर्णलता तुमकुर गुरुप्रसाद	श्रीमती स्वर्णलता तुमकुर गुरुप्रसाद को मल्टीपल स्केलेरोसिस से 80% दिव्यांगता हैं। उन्होंने स्वर्ग फाउंडेशन की स्थापना की, जो मल्टीपल स्केलेरोसिस (एमएस) और अन्य न्यूरो-मस्कुलर विकारों से पीड़ित व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए काम करता हैं। उनका काम सुलभ्ता यात्रा, समाधान, सुलभ अवसंरचना, पुनर्वास और जागरूकता समावेश के क्षेत्रों में अलग-अलग हैं।
Shreshth Divyangjan श्रेष्ठ दिव्यांगजन			
1		श्री सैकौस्तुव दासगुप्ता	श्री सैकौस्तुव दासगुप्ता, 31 वर्ष के हैं और 90% लोकोमोटर दिव्यांगजन से पीड़ित हैं। वे TEDx वक्ता हैं, जो ख़ुशी की कोचिंग देते हैं। वे एक शोधकर्ता और दुर्गमता के योद्धा हैं, गिनीज और लिम्का वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक हैं। गायन में विभिन पुरस्कार प्राप्त किए हैं, 2005 से अब तक बंगाल में 300 से अधिक रचनाएँ रची और टयून की हैं। उनके सकारात्मक दृष्टिकोण और ख़ुशी कोचिंग ने दुनिया भर में विविध दर्शकों को प्रभावित किया है और वे कई दिव्यांगजनों के लिए प्रेरणा हैं।
2		सुश्री श्रीलेखा मडलपल्ली	**42 वर्षीय सुश्री श्रीलेखा मंडलपल्ली** 90% लोकोमोटर दिव्यांगता से पीड़ित हैं। वह मुंह की सहायता से पेंटिंग करती हैं और उन्होंने तेल आधारित पेंटिंग बनाई हैं, तेल, ऐक्रेलिक और

			पानी के रंगों के 50 पेंटिंग बनाई हैं। मुंह से पेंटिंग के लिए उन्हें तेलंगाना सरकार के भाषा और संस्कृति विभाग और से "कला रत्न पुरस्कार" और पद्मावती दिव्यांग संस्थान से सम्मानित किया गया है। इंडियन माउथ एंड फुट पेंटिंग आर्टिस्ट एसोसिएशन के वार्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार से वर्ष 2021 को सर्वश्रेष्ठ कलाकार पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें कई अन्य राज्य पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है और वह चित्रकारों के लिए एक प्रेरणा हैं।
3		श्री तेजवीर सिंह	श्री तेजवीर सिंह 90% लोकोमोटर दिव्यांगता से पीड़ित हैं। जन्म से ही दोनों पैरों से दिव्यांग होने के बावजूद वह सामाजिक कार्यों में पूरी भूमिका निभाते रहे हैं। दिव्यांगजनों और सामान्य व्यक्तियों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने में उनकी सक्रिय भूमिका और सामाजिक कार्यो में उनकी रूचि की सराहना की जाती हैं। वर्ष 2000 से वे ग्राम पंचायत सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं।
4		सुश्री ज्योति सिन्हा	सुश्री ज्योति सिन्हा 70% मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित एक दिव्यांग व्यक्ति हैं । वह स्व-नियोजित करती हैं । कला और संस्कृति के क्षेत्र मैं, उन्हें प्रसिद्ध मधुबनी पेंटिंग के लिए वर्ष 2017 में बिहार कला पुरस्कार मिला । एक स्व-शिक्षित मधुबनी पेंटर चित्रकार होने के नाते उन्होंने कई युवतियों को भी प्रशिक्षित किया हैं।

5		श्री जय महेशकुमार गगोडिया	श्री जय महेशकुमार गंगडिया 80% सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित हैं। उनकी दिलचस्पी कैनवास पेंटिंग में है। उन्होंने कला और संस्कृति में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय और राज्य स्तर के पुरस्कार जीते हैं। वे अन्य विशेष रूप से दिव्यांग व्यक्तियो के लिए प्रेरणास्रोत है।
6		श्री सी गोविंदकृष्णन	श्री सी गोविंदकृष्णन 100% दृष्टिबाधित दिव्यांग व्यक्ति हैं। वे नेत्रोदय नामक दृष्टिबाधित लोगो के लिए एक संस्था के संस्थापक हैं। उन्होंने व्यावसायिक पाठ्यक्रम, नि:शुल्क आश्रय, प्रशिक्षण और कोचिंग कक्षाएं, नि:शुल्क शिक्षा आदि प्रदान करके दिव्यांगजनों के लिए जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित की, रोजगार के अवसरों में वृद्धि की, जिसने उन्हें एक परिवर्तन निर्माता और प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में मान्यता मिली ।
7		सुश्री दिव्या शर्मा	सुश्री दिव्या शर्मा जन्म से ही 75% दृष्टिबाधित हैं। वह एक प्रेरक वक्ता हैं, कराटे में ब्लू बेल्ट, एक आरजे हैं और दृष्टिबाधित लोगो द्वारा संचालित एक ऑन्लाइन रेडियो स्टेशन की कंटेंट मैनेजर हैं और 115 से अधिक देशों में सुनी जाती हैं। दिव्या के सम्मेलन सहायक प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं और दृष्टिबाधित छात्रों को संस्थानों में दाखिला लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। मुख्यधारा के स्कूलों में उनके दौरे ने समाज को सवेदनशील बनाया, जिसके कारण स्कूलों ने बिना किसी हिचकिचाहट के दिव्यांग छात्रों को दाखिला दिया। उनके रेडियो शो छात्रों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद

			करते हैं। वे अपने मार्शल आर्ट और फिटनेस वीडियो, साक्षात्कार और सामग्री के माध्यम से दिव्यांगों को फिट रहने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।
8		सुश्री पूनम	सुश्री पूनम जन्म से ही 100% श्रवण दोष से पीड़ित एक दिव्यांग व्यक्ति हैं। वे बधिर खेलों, विशेष रूप से बधिर एथलेटिक्स और जूडो, नृत्य, कला एवं टेलरिंग के क्षेत्र में एक शक्तिशाली महिला रोल मॉडल हैं। उन्होंने राष्ट्रीय (9), राज्य (12) और जिला (2) स्तर के पुरस्कार जीते हैं। वह बधिर लड़कियों के लिए खेल के महत्व के बारे में विद्यालयों और संघों में पढ़ा रही हैं और स्वयंसेवा कर रही हैं।
9		हिमाशु कसल	श्री हिमांशु कंसल 100% श्रवणबाधित दिव्यांगजन हैं। एक प्रतिभाशाली बधिर डिजाइनर होने के नाते, उन्होंने भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) शिक्षा में बदलाव ला दिया है। उन्होंने अभिनव आईएसएल पाठ्यपुस्तकों, वीडियो और सुगम्य सामग्री विकसित की, जिससे बधिर शिक्षार्थियों को सशक्त बनाया गया। उनके अद्वितीय डिजाइनों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से प्रशंसा मिली है। उनके एडवोकेसी और रचनात्मक योगदान ने बधिर समुदाय पर एक स्थायी प्रभाव डाला है, जिससे आईएसएल के लिए एक भाषा विषय के रूप में समावेशिता और मान्यता सुनिश्चित हुई है।

10		श्री अभिनव चौधरी	श्री अभिनव चौधरी 60% बौद्धिक दिव्यांगजन हैं। वे कला और संस्कृति एवं नृत्य अभिनय मॉडलिंग के क्षेत्र में जुड़े हुए हैं। उन्होंने डांस इंडिया डांस जैसे विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के नृत्य कार्यक्रमों में भाग लिया और 2018 में जीत हासिल की एवं वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडिया द्वारा "एक विशेष बच्चे द्वारा किए गए अधिकतम नृत्य रूपों के लिए विश्व रिकॉर्ड" से सम्मानित किया गया। उन्होंने कई अन्य राज्य और जिला स्तर के पुरस्कार भी जीते हैं। वह एक डांस अकादमी चला रहे हैं जहां वे विशेष जरूरतों वाले और वंचित बच्चों को नृत्य सिखाते हैं, जो समाज के लिए एक सेवा है।
11		सुश्री एस. एस. स्मिता	सुश्री एस. एस. स्मिता 75% मल्टीपल स्केलेरोसिस दिव्यांगजन है। वह एक फ्रीलांसर हैं और स्वैच्छिक संगठन विद्यासागर और दिव्यांगता के लिए कार्यरत करने वाली अन्य संस्थाओ से जुडी हैं। वह मल्टीपल स्केलेरोसिस सोसाइटी ऑफ इंडिया, चेन्नई चैप्टर की समिति की सदस्य हैं। उन्हें रोल मॉडल की श्रेणी में राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। वे समावेशी और सुगम्य नीतियों, कार्यक्रमों, उत्पादों, सेवाओं, बुनियादी ढांचे और आईसिटी के लिए वकालात, संवेदनशीलता, सहयोग में शामिल हैं।
	Shreshth Divyang Bal/Balika (श्रेष्ठ दिव्यांग - बाल/बालिका)		
1		मास्टर रूपाजन सेन	14 वर्षीय मास्टर रूपांजन सेन 75% बौद्धिक दिव्यांगता (डाउन सिंड्रोम) से पीड़ित है, उन्होंने 2019 से नृत्य और संगीत के क्षेत्र

			में यात्रा शुरू की, अब तक 60 से अधिक प्रतियोगिताओं जीती हैं, उन्होंने बहुत सारे प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्राप्त किए। आपको 2022 में पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा "दिव्यांगों के साथ उत्कृष्ट रचनात्मक बच्चे" के रूप में सम्मानित किया गया।
2		मास्टर आदित्य सुरेश	16 वर्षीय मास्टर आदित्य सुरेश जन्म से 80% लोकोमोटर दिव्यांगता (ओस्टियोजेनेसिस इम्परफेक्टा) से पीड़ित हैं, उन्हें केरल सरकार से उज्ज्वला बायलम पुरस्कार मिला है और अब्दुल कलाम बाला प्रतिभा पुरस्कार भी मिला है। उन्होंने 1000 से अधिक स्थानों पर परफॉर्म किया हैं । उन्हें मई, 2023 में मास्टर विजन एक्सीलेंस अवार्ड 2023 मिला है। उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2023 से भी सम्मानित किया गया।
3		कुमारी जिया राय	16 वर्षीय कुमारी जिया राय 50% बौद्धिक दिव्यांगता से पीड़ित है, जो भारत की एक अंतर्राष्ट्रीय ओपन वाटर पैरा तैराक और ओपन वाटर तैराकी में विश्व रिकॉर्ड धारक हैं। वे सात महासागरों को तैरने वाली दुनिया की पहली और सबसे कम उम्र की पैरा तैराक बनने के मिशन पर हैं। 17 दिसंबर से 29 दिसंबर 22 के बीच, उन्होंने मुंबई से गोवा और वापस वसई किला तक दुनियां की सबसे लंबी (ओपन वाटर सी स्विमिंग रिले) 11 दिन 22 घंटे और 13 मिनट में तैरी । कुमारी जिया राय ने 20 मार्च 2022 को तलाईमन्नार (श्रीलंका) से धनुषकोडी (भारत) 13 घंटे और 10

			मिनट में 29 किलोमीटर की दूरी विश्व रिकॉर्ड समय में पाक जलडमरूमध्य तैरकर भारत का नाम रोशन किया है। कुमारी जिया राय प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार सहित कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्राप्तकर्ता हैं।
	Divyangjano Ke Sashaktikaran Ke Liye Karyarath Sarvshrestha Vyakti **सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति -दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए कार्यरत"**		
1		श्री प्रशात अग्रवाल	नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के अध्यक्ष, श्री प्रशांत अग्रवाल, 51 वर्ष बचपन से ही सामाजिक गतिविधियों में शामिल हैं। वे दिव्यांगो को ऊपर उठाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जैसे कि आवासीय विद्यालय, व्यवसायिक पुनर्वास केंद्र, सहायक उपकरणों और सहायता उपकरणों का नि:शुल्क वितरण, सगंठन के माध्यम से नि:शुल्क विवाह समारोह, उन्ही 2017 में राजस्थान सरकार द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता का पुरस्कार भी दिया गया था।
	DIVYANGATA KE KSHETRA MEIN KARYARAT SARVSHRESTH PUNARVAS PESHEWAR (REHABILITATION PROFESSIONAL) **दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ पुनर्वास पेशेवर/कार्मिक**		

1		डॉ. सुभाष आर. आप्टे	डॉ. सुभाष आर. आप्टे के अथक लगन, अग्रणी पहल और व्यावसायिक चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान। उन्होंने दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन को छुआ हैं, उनके जीवन समृद्ध बनाया हैं और समाज में समावेशिता को बढ़ावा दिया है। उनकी असाधारण उपलब्धियों ने विभिन्न पेशेवर निकायों से प्रतिष्ठित पुरस्कार और मान्यताएँ प्राप्त की है, जिसमें विभिन्न संगठनों से "पेशेवर उत्कृष्टता पुरस्कार" और "सर्वश्रेष्ठ पेशेवर पुरस्कार" शामिल हैं। उनके प्रकाशनों ने न केवल क्षेत्र में ज्ञान के भंडार में योगदान दिया है, बल्कि पेशेवरों और देखभाल करने वालों के लिए मूल्यवान संसाधनों के रूप में भी काम किया है।

2. दिव्यांग व्यक्तिओ को सशक्त बनाने में लगे संस्थनो के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार - 2023

Divyangno ke Sashaktikaran Hetu Sarveshresth Sansthan (Private organization, NGO) **दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण में कार्यरत सर्वश्रेष्ठ संस्थान- (निजी संगठन, एनजीओ)**			
1		सार्थक एजुकेशन ट्रस्ट	जुलाई 2008 में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सार्थक शेक्षिक ट्रस्ट की स्थापना की गई थी, जिसका उद्देश्य विकलांग व्यक्तिओ के जीवन को सार्थक (सफल) बनाना, उन्हें अपने भाग्य का स्वामी बनने में सक्षम बनाना और उनकी सफलता को स्वयं खोजना है । ट्रस्ट विभिन्न तरीकों से दिव्यांग व्यक्तिओं को सशक्त बनाने में सक्रिय रूप से शामिल है और इसका उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तिओं के लिए स्थायी रोजगार के अवसर, प्रारंभिक हस्तक्षेप और समावेशी शिक्षा पहल बनना है।
2		दीपस्तभ फाउडेशन	दीपस्तंभ फाउंडेशन, वर्ष 2009 में स्थापित एक गैर सरकारी संगठन है, जो वंचित व्यक्तियों, विशेष रूप से दिव्यांग छात्रों, अनाथों, ट्रांसजेंडर और महाराष्ट्र के जलगांव और पुणे केंद्रों में आदिवासी, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के वंचित युवाओं के जीवन को सशक्त बनाने और उत्थान करने के लिए समर्पित है। यह 18 वर्ष से अधिक आयु वाले युवाओं की सेवा करता हैं, उन्हें यूपीएससी, एसएससी, बैंकिंग, रेलवे, इंजीनियरिंग, एमएसडब्ल्यू, एमबीए और कानून जैसे उच्च-स्तरीय करियर को आगे बढानें मे सहायता करता है, उन्हें मुख्यधारा के करियर में एकीकृत करता है।

	Divyangao Ke Liye Sarvshresth Niyoktha (Govt. organization/PSEs/ Autonomous bodies /Pvt. Sector) **दिव्यांगजनों के लिए सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता (सरकारी संस्थान / सार्वजनिक उपक्रम / निकाय / निजी क्षेत्र.)**		
1		अमेज़न इंडिया	अमेज़न सेलर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (ASSPL) अमेज़ संचालन करता है, यह एक विश्व स्तरीय बाजार है। अमेजन इंडिया के पास 387 श्रवण बाधित राजदूत है, जिन्हें रोजगार – मित्र के रूप प्रशिक्षित किया गया था। अमेज़न इंडिया 18 राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में 220 से ज्यादा साइटों का संचालन करता है और 60% से अधिक साइटों दिव्यांगजन व्यक्ति हैं, कुल मिलाकर दिव्यांगता के 1600 से ज्यादा सहयोगी हैं। 2020 से, इसने दिव्यांगता के विभिन्न समूहों से अपनी साइटों पर 8500 पी.डब्ल्यू.डी सहयोगियों को तैनात किए है।

	Sugamya Bharat Abhiyan Ke Karyanvayan / Badhamukta Bhatavaran Ke Srijan Mein Sarvshresth Rajya / UT/ Zila **सुगम्य भारत अभियान के कार्यान्वयन में बाधामुक्त वातावरण के सृजन में सर्वश्रेष्ठ राज्य / संघ राज्य क्षेत्र / जिला**		
1		**निदेशालय, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन अधिकारिता, मध्य प्रदेश**	सुगम्य भारत अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए बाधा-मुक्त वातावरण निर्मित करने के क्षेत्र में मध्यप्रदेश राज्य में सराहनीय कार्य हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप इस मामले में यह देश के अग्रणी राज्यों में शुमार है। सुगम्य भारत अभियान के अंतर्गत 30.48 करोड़ रुपये की लागत से 89 शासकीय भवनों को सुगम्य बनाया गया है। प्रदेश में 44 शासकीय वेबसाइटों में से 37 वेबसाइटों को सुगम्य बनाया गया है। सुगम्य भारत अभियान क्रियान्वयन मध्य प्रदेश द्वारा राज्य द्वारा किए जा रहे कार्यों के लिए दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने में सलंग्न संस्थाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 “सुगम्य भारत अभियान के कार्यन्वयन / बाधामुक्त परिवेश के सृजन में सर्वश्रेष्ट राज्य श्रेणी में मध्यप्रदेश राज्य को प्रदान किया जाता हैं
Sarvshresth Sugamya Yatayat ke Sadahan / Soochana Evem Sanchar Prodyogiki (Govt./Private organization) **सर्वश्रेष्ठ सुगम्य यातायात के साधन संचार सूचना एव / प्रौद्योगिकी (निजी)सरकारी संगठन**			
1		इंडिया साइनिंग हैंड्स प्राइवेट लिमिटेड	संगठन द्वारा चलाया जा रहा इंडिया साइनिंग हैंड्स न्यूज भारत का अग्रणी ऑनलाइन न्यूज़ और मनोरंजन चैनल है जो भारतीय सांकेतिक भाषा, उपशीर्षक, वॉयस-ओवर जैसे सुलभ प्रारूपों में सामग्री का उत्पादन करता हैं और साथ ही बधिर पेशेवरों की अक टीम द्वारा बनाए गए आकर्षण ग्राफिक्स भी । इसे फेसबुक, यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर 190+ मिलियन से अधिक बार देखा गया है।

			इसने बधिर और सुनने वालों के बीच संचार बाधा को पाटने के लिए एक नया पप्रोजेक्ट – कॉलसाइन लाँच किया है।
Divyangjano Ke Adhikar Adhiniyam /UDID Evem Divyang Sashaktikaran ki Anya Yojanaon ke Karyanvayan Mein Sarvshresth Rajya /UT/Zila **दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम / यूडीआईडी एवं दिव्यांग सशक्तिकरण की अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र / जिला**			
1		गढ़ाचेरौली	जिला परिषद, गढ़चिरौली ने सहायता से लेकर दिव्यांगता प्रमाण – पत्र तक के उद्देश्य से गढ़चिरौली जिला दिव्यांगता सहायता कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य यूडीआईडी कार्ड और दिव्यांगता प्रमाण पत्रों की संतृप्ति, सरकारी कर्मचारियों की क्षमता निर्माण और संवेदनशीलता कौशल विकास और आजीविका के अवसरों का प्रावधान प्राप्त करना हैं । इसका उद्देश्य यूडीआईडी कार्ड, कौशल विकास के अवसरों, सेवाओं की डोरस्टेप डिलीवरी और जिले से लेकर गाँव स्तर तक सभी सरकारी कर्मचारीयों की संवेदनशील को 100% कवरेज प्राप्त करना है।
	Divyangjano Ke Adhikar Adhiniyam, 2016 Ke Apne Rajya Mein Karyanvayan Mein Sarvshresth Rajya Aayukta Divayngjan **दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम 2016 के कार्यान्वयन हेतु अपने राज्य में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु राज्य दिव्यांगजन आयुक्त।**		
1		**गोवा** **श्री गुरु प्रसाद पावस्कर** **राज्य दिव्यांग आयुक्त** **का कार्यलय**	गोवा में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए राज्य आयुक्त दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभता, जागरूकता और समान भागीदारी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की हैं। दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के लिए उनके प्रयास जैसे मीरामार बीच, स्मार्ट सिटी पणजी और मतदान केंद्रों को सुलभ बनाना, सुलभ भारत अभियान के तहत इमारतो को बदलना यूडीआईडी कार्ड जारी

			करने, आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 के तहत दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों को सुनिश्चित करने और उनकी पूरी लगन से पालन करना सभी की प्रशंसा के योग्य हैं। गोवा में पला पर्पल फेस्ट आयोजित करने में उनका योगदान उल्लेखनीय था।
2		**मध्य प्रदेश** **श्री संदीप रजक, आयुक्त** **(दिव्यांगता)**	मध्य प्रदेश के दिव्यांगजन कल्याण आयुक्त ने स्वप्रेरणा से अभिनव एवं प्रभावी कदम उठाकर मध्य प्रदेश में दिव्यांगजन कल्याण अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने अनेक मामलो में दिव्यांगजनों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की। मोबाइल कोर्ट, (एडवोकेसी) बैठकें आदि जैसे नवाचारों ने दिव्यांगजनों को संवेदनशील को बढ़ावा दिया, जिससे अधिनियम की मूल अवधारणा के अनुरूप समावेशी समाज का निर्माण हुआ।
Punarvasan Peshewaro Ke Vikas Mein Sanlagn Sarvshresth Sangathan **पुनर्वास पेशेवरों के विकास में संलग्न सर्वश्रेष्ठ संगठन**			
1		**दिव्यांग विकास सोसाइटी**	दिव्यांग विकास सोसाइटी एक गैर-लाभकारी संगठन है जो दिव्यांगजनों के जीवन को सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। संगठन का बहुआयामी दृष्टिकोण शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा, वकालत और सामाजिक एकीकरण सहित विभिन्न क्षेत्र शामिल करता हैं। वकालत, नीति प्रभाव और समुदायिक जुड़ाव में उनके प्रयासों ने दृष्टिकोण में बदलाव और बेहतर पहुँच में योगदान दिया है।